चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	4-6-25	4	7-8

हकृवि में एडोब फोटोशॉप और ऑटोकैड पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

मुख्य अतिथि डॉ. मदन खीचड़ प्रतिभागियों के साथ।

हिसार, 3 जून (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में एडोब फोटोशॉप और ऑटोकैड पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय के कंप्यूटर लैब में आयोजित किए गए 14 दिवसीय इस प्रशिक्षण का उद्देश्य स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों की डिजाइनिंग क्षमताओं को उन्नत करना था। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे जबकि महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	5-6-25	10	2-3

हिसार। मुख्य अतिथि डॉ. मदन खीचड़ प्रतिभागियों के साथ। फोटो: हरिभूमि

हकृवि में दिया एडोब फोटोशॉप व ऑटोकैड का प्रशिक्षण

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में एडोब फोटोशॉप और ऑटोकैड पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय के कंप्यूटर लैब में आयोजित किए गए 14 दिवसीय इस प्रशिक्षण का उद्देश्य स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों की डिजाइनिंग क्षमताओं को उन्नत करना था। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे जबकि महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। छात्र कल्याण निदेशक डॉ मदन खीचड़ ने अपने संबोधन में कहा कि एडोब फोटोशॉप और ऑटोकैड प्रशिक्षण का बहुत अधिक महत्व है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन विभाग की शिक्षका डॉ. प्रमिला कृष्णा चहल और डॉ. किरण सिंह द्वारा किया गया जो प्रशिक्षण की कोर्स कोआर्डिनेटर भी रही।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	3.6.2025	--	--

हकृवि में दिया ऑटोकैड का प्रशिक्षण

नभ-छोर न्यूज ⏭ 03 जून

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में एडोब फोटोशॉप और ऑटोकैड पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय के कंप्यूटर लैब में आयोजित किए गए 14 दिवसीय इस प्रशिक्षण का उद्देश्य स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों की डिजाइनिंग क्षमताओं को उन्नत करना था। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे जबकि महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। छात्र कल्याण निदेशक डॉ मदन खीचड़ ने अपने संबोधन में कहा कि एडोब फोटोशॉप और ऑटोकैड प्रशिक्षण का बहुत अधिक महत्व है। यह प्रशिक्षण ग्राफिक डिजाइन, वास्तुकला,इंजीनियरिंग और अन्य रचनात्मक और तकनीकी क्षेत्र में करियर के लिए बहुत जरूरी है। अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव ने कहा कि यह प्रशिक्षण नई शिक्षा नीति के अनुरूप अत्यंत उपयोगी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	3.6.2025	--	--

हकृवि में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में एडोब फोटोशॉप और ऑटोकैड पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय के कंप्यूटर लैब में आयोजित किए गए 14 दिवसीय इस प्रशिक्षण का उद्देश्य स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों की डिजाइनिंग क्षमताओं को उन्नत करना था। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे जबकि महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ मदन खीचड़ ने अपने संबोधन में कहा कि एडोब फोटोशॉप और ऑटोकैड प्रशिक्षण का बहुत अधिक महत्व है। यह प्रशिक्षण ग्राफिक डिजाइन, वास्तुकला,इंजीनियरिंग और अन्य रचनात्मक और तकनीकी क्षेत्र में करियर के लिए बहुत जरूरी है। यह सॉफ्टवेयर दुनिया भर में व्यापक रूप से उपयोग किए जाते हैं और इन सॉफ्टवेयर में कौशल विद्यार्थियों को एक प्रतिस्पर्धी लाभ प्रदान कर सकता है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की तकनीकी प्रशिक्षण गतिविधियां निरंतर आयोजित होती रहनी चाहिए। शिक्षकों और छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों में भाग लेने से आपकी व्यावसायिक कौशल में वृद्धि होगी।

अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव ने कहा कि प्रशिक्षण गतिविधियां न केवल छात्रों की स्किल को बेहतर बनाती हैं बल्कि उनके जॉब प्रोफाइल को भी सुधार करने में सहायक सिद्ध होती हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	3.6.2025	--	--

हरे चारे की आपूर्ति में लाभदायक होंगी जई की 3 नई किस्में : कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज

-जई की इन किस्मों का हरियाणा के अलावा अन्य राज्यों को भी मिलेगा लाभ

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 3 जून : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग ने जई की 3 नई उन्नत किस्में विकसित की हैं जिनमें से अधिक चारा व बीज उत्पादन देने वाली किस्म एचएफओ 917 व एचएफओ 1014 देश के उत्तर पश्चिमी व उत्तर पूर्वी राज्यों एवं अनेक कटाई वाली किस्म एचएफओ 915 देश के पवर्तीय क्षेत्रों में उगाने के लिए सिफारिश की गई है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि देश में 11.24 प्रतिशत हरे व 23.4 प्रतिशत सुखे चारे की कमी है जिसके कारण पशुओं की उत्पादकता प्रभावित हो रही है। जई की अधिक गुणवत्तापूर्ण व ज्यादा पैदावार देने वाली किस्में विकसित होने से पशुपालकों को लाभ होगा व पशुओं की उत्पादकता भी बढ़ेगी। कुलपति ने कहा हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई फसलों की किस्मों का न केवल हरियाणा अपितु देश के अन्य राज्यों के किसानों को भी लाभ हो रहा है। हकृवि द्वारा विकसित किस्मों की मांग अन्य प्रदेशों में भी लगातार बढ़ती जा रही है। कुलपति ने बताया कि हकृवि के चारा अनुभाग द्वारा विकसित जई की तीन किस्मों (एचएफओ 917, एचएफओ 1014 व एचएफओ 915) को भारत सरकार के राजपत्र नोटिफिक्केशन न. 2138 (अ) में केन्द्रीय बीज समिति की सिफारिश पर समय पर बिजाई हेतु अनुमोदित किया गया है। यह हकृवि के साथ हरियाणा राज्य के लिए गर्व की बात है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए चारा अनुभाग के वैज्ञानिकों को बधाई दी और भविष्य में भी अपने प्रयास जारी रखने का आह्वान किया।

उत्तर-पश्चिमी राज्यों के लिए विकसित जई की नई किस्म की विशेषताएं

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने जई की नई किस्मों की विशेषता का उल्लेख करते हुए बताया कि एचएफओ 917 व एचएफओ 1014 किस्म को विकसित करने में चारा अनुभाग के डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. डी.एस. फोगाट, डॉ. सत्यवान आर्य, डॉ. रवीश पंचटा, डॉ. एस.के. पाहुजा, डॉ. सतपाल व डॉ. नीरज खरोड़ का योगदान रहा है। एचएफओ 917 व एचएफओ 1014 किस्में दोहरे प्रकार की किस्म है जो चारा व बीज दोनों की अधिक पैदावार दे सकती है। ये दोनों किस्म देश के उत्तर पश्चिमी (हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड राज्य के तराई क्षेत्र) एवं उत्तर पूर्वी जोन (पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व आसाम) के लिए सिफारिश की गई है।

एचएफओ 917 किस्म की हरे व सूखे चारे की औसत पैदावार 192 क्विंटल व 28 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है। इसकी बीज की पैदावार 23.8 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है। इस किस्म के हरे चारे में प्रोटीन की औसत मात्रा उत्तर-पश्चिम जोन में 14.4 व उत्तर-पूर्व जोन में 9.38 प्रतिशत है। एचएफओ 1014 किस्म की हरे व सूखे चारे की औसत पैदावार 185 क्विंटल व 28 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है। इस किस्म की बीज की औसत पैदावार उत्तर पश्चिम जोन में 24.3 व उत्तर पूर्वी जोन में 18 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है। इस किस्म के हरे चारे में प्रोटीन की औसत मात्रा उत्तर पश्चिम जोन में 15.5 प्रतिशत है।

जई की एचएफओ 915 किस्म को विकसित करने में चारा अनुभाग के वैज्ञानिकों डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. डी.एस. फोगाट, डॉ. सत्यवान आर्य, डॉ. रवीश पंचटा, डॉ. एस.के. पाहुजा, डॉ. सतपाल, डॉ. नीरज खरोड़, डॉ. दलविंदर पाल सिंह व डॉ. बजरंग लाल शर्मा का योगदान रहा है। एचएफओ 915 एक अधिक कटाई देने वाली किस्म है। इस किस्म की हरे व सूखे चारे की औसत पैदावार 234 क्विंटल व 50 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है। पर्वतीय क्षेत्रों में इस किस्म की हरे चारे की पैदावार राष्ट्रीय स्तर की किस्म आरओ-19 से चार प्रतिशत एवं यूपीओ-212 से नौ प्रतिशत अधिक पाई गई। एचएफओ 915 किस्म की बीज की औसत पैदावार 15.7 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है जबकि हरे चारे में प्रोटीन की मात्रा 10 प्रतिशत है जिसके कारण इसके चारे की गुणवत्ता पशुओं के लिए अधिक लाभदायक है। यह किस्म देश के पर्वतीय क्षेत्रों (हिमाचल प्रदेश एवं जम्मू कश्मीर) के लिए सिफारिश की गई है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	3.6.2025	--	--

एचएयू कुलपति प्रो. काम्बोज लाइफ टाईम एचिवमेंट अवार्ड से सम्मानित

- सोसायटी फॉर कोम्यूनिटी मॉबीलाइजेशन फॉर सस्टेनेबल डेवल्पमेंट (मॉबीलाइजेशन) एवं नेशनल होर्टिकल्चर बोर्ड ने दिया अवार्ड

सच कहूँ श्याम सुन्दर सरदाना

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज को कृषि अनुसंधान, शिक्षा एवं विस्तार के क्षेत्र में दिए गए असाधारण योगदान के लिए लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड आफ मोबिलाइजेशन से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान सोसायटी फॉर कम्युनिटी मोबिलाइजेशन फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट एवं नेशनल हॉर्टिकल्चर बोर्ड (एनएचबी) भारत सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 12वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय इंफाल में प्रदान किया गया।

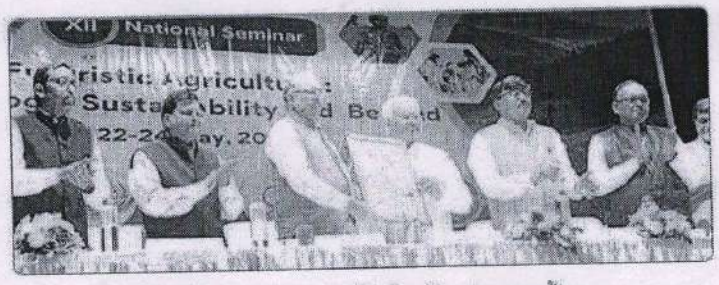

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज लाइफ टाईम एचिवमेंट अवार्ड प्राप्त करते हुए

इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य भविष्य की कृषि तकनीक, स्थिरता और विकास रखा गया था। कुलपति प्रोफेसर काम्बोज को यह सम्मान समाज और कृषि क्षेत्र में सतत विकास के लिए की गई उल्लेखनीय सेवाओं हेतु प्रदान किया गया। प्रो. काम्बोज 16 अप्रैल 2021 को विश्वविद्यालय के कुलपति नियुक्त हुए थे और हाल ही में उन्हें दूसरी टर्म प्रदान की गई है।

इससे पूर्व प्रो. काम्बोज हकृवि के कुलसचिव भी रह चुके हैं। वे गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति का अतिरिक्त कार्यभार भी संभाल चुके हैं। प्रो. काम्बोज एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक रहे हैं। विश्वविद्यालय ने उनके कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कृषि शिक्षा प्रत्यायन बोर्ड (नैब) की ओर से सर्वश्रेष्ठ ए प्लस ग्रेड दिया गया है। देशभर में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2024 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ)में देश के कृषि विश्वविद्यालयों में हकृवि तीसरा स्थान प्राप्त किया तथा संस्थानों में सांतवा स्थान हासिल करके एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	5-6-25	5	1-3

हकृवि में एडोब फोटोशॉप और ऑटोकैड पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

मुख्यातिथि डॉ. मदन खीचड़ प्रतिभागियों के साथ।

हिसार, 3 जून (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में एडोब फोटोशॉप और ऑटोकैड पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय के कंप्यूटर लैब में आयोजित किए गए 14 दिवसीय इस प्रशिक्षण का उद्देश्य स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों की डिज़ाइनिंग क्षमताओं को उन्नत करना था। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे जबकि महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। छात्र कल्याण निदेशक डॉ मदन खीचड़ ने अपने संबोधन में कहा कि एडोब फोटोशॉप और ऑटोकैड प्रशिक्षण का बहुत अधिक महत्व है। यह प्रशिक्षण ग्राफिक डिजाइन, वास्तुकला,इंजीनियरिंग और अन्य रचनात्मक और तकनीकी क्षेत्र में करियर के लिए बहुत जरूरी है। यह सॉफ्टवेयर दुनिया भर में व्यापक रूप से उपयोग किए जाते हैं और इन सॉफ्टवेयर में कौशल विद्यार्थियों को एक प्रतिस्पर्धी लाभ प्रदान कर सकता है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की तकनीकी प्रशिक्षण गतिविधियां निरंतर आयोजित होती रहनी चाहिए। शिक्षकों और छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों में भाग लेने से आपकी व्यावसायिक कौशल में वृद्धि होगी। अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव ने कहा कि यह प्रशिक्षण नई शिक्षा नीति के अनुरूप अत्यंत उपयोगी है। इस प्रकार की प्रशिक्षण गतिविधियां न केवल छात्रों की स्किल को बेहतर बनाती हैं बल्कि उनके जॉब प्रोफाइल को भी सुधार करने में सहायक सिद्ध होती हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन विभाग की शिक्षका डॉ. प्रमिला कृष्णा चहल और डॉ. किरण सिंह द्वारा किया गया जो प्रशिक्षण की कोर्स कोआर्डिनेटर भी रही। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने एडोब फोटोशॉप के माध्यम से इमेज एडिटिंग, लेयरिंग, टूल्स का उपयोग, तथा ऑटोकैड में 2डी और 3डी ड्राफ्टिंग की तकनीक को व्यावहारिक रूप से सीखने में विशेष रुचि दिखाई।